रिवर्स ऑक्शन से बीएसईएस खरीदेगी 700 मेगावॉट सौर ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिए बचेंगे 200 करोड़ रूपये

- पहले सौर/हरित ऊर्जा मिल रही थी 6.40 रूपये प्रति यूनिट की दर से
- अब 5 रूपये प्रति यूनिट की दर से मिलने की उम्मीद
- प्रति यूनिट लगभग 1.50 रूपये की बचत से टैरिफ कम रखने में मिलेगी मदद

नई दिल्लीः 6 जनवरी, 2016। उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए डीईआरसी ने बीएसईएस को रिवर्स ऑक्शन के माध्यम से सौर/हरित ऊर्जा खरीदने की अनुमति दे दी है। अब रिवर्स ऑक्शन के माध्यम से, कम कीमतों पर बीएसईएस 700 मेगावॉट सौर/हरित ऊर्जा खरीदेगी। बीएसईएस की इस पहले से, उपभोक्ताओं के लिए सालाना करीब 200 करोड़ रूपये की बचत होगी। क्योंकि, पहले की निविदा यानी बिडिंग के मुकाबले रिवर्स ऑक्शन में प्रति यूनिट 1.5 रूपये कम की दर से सौर/हरित ऊर्जा मिलेगी।

दरअसल, डीईआरसी द्वारा दिए गए अक्षय ऊर्जा के उपयोग के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नवंबर 2014 में बीसईएस ने एक निविदा आमंत्रित की थी। इस निविदा के तहत, सौर/हरित ऊर्जा के लिए न्यूनतम बोली 6.19 रूपये प्रति यूनिट की लगाई गई थी। इस तरह, अक्षय ऊर्जा की औसत कीमत प्रति यूनिट 6.40 रूपये पड़ रही थी।

लेकिन, इसकी अधिक कीमतों को देखते हुए बीएसईएस ने डीईआरसी को लिखा कि चूंकि यह अक्षय/ सौर ऊर्जा काफी महंगी है, इसलिए इसलिए इसके टेंडर/निविदा को रद्द करके, वह रिवर्स ऑक्शन के माध्यम से सस्ती दरों पर अक्षय/ सौर ऊर्जा खरीदना चाहती है। डीईआरसी ने बीएसईएस के इस अनुरोध के स्वीकार करते हुए उसे इसकी अनुमति दी है और कहा है कि नवीन व अक्षय ऊर्जा मंत्रालय यानी एमएनआरई के दिशा–निर्देशों के तहत अक्षय ऊर्जा की खरीद तय करे।

रिवर्स ऑक्शन के माध्यम से सौर व अक्षय ऊर्जा की खरीद करने पर यही उर्जा प्रति यूनिट करीब 1.50 रूपये कम कीमत पर उपलब्ध होगी। इससे उपभोक्ताओं के लिए सालाना करीब 200 करोड़ रूपये बचेंगे।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, डीईआरसी की स्वीकृति मिलने से अक्षय ऊर्जा स्रोतों से प्रतियोगी दरों पर बिजली खरीद के नए दरवाजे खुल गए हैं। इससे एक ओर जहां उपभोक्ताओं को स्वच्छ ऊर्जा मिलेगी, वहीं दूसरी ओर टैरिफ/ बिजली दरों को कम रखने में भी मदद मिलेगी।